



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 20]

नई दिल्ली, बुधवार, जनवरी 13, 1988/पौष 23, 1909

No. 20]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 13, 1988/PAUSA 23, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
separate compilation

मानव संसाधन विकास मंत्रालय
(संस्कृति विभाग)

नई दिल्ली, 13 जनवरी, 1988

शुद्धि-पत्र

सा. का. नि. 25(अ):—जी.एस.आर. 888(ई) में 3 नवम्बर, 1987 के भारत
के राजपत्र के भाग II खण्ड 3 उप-खण्ड (i) (असाधारण) में प्रकाशित मानव संसाधन
विकास मंत्रालय, भारत सरकार की अधिसूचना में पृष्ठ 2, पंक्ति 2-3 पर "केन्द्रीय सरकार
एतद्द्वारा उक्त अधिनियम लागू होने की तारीख 3 नवम्बर, 1987 निर्धारित करती है"

शब्दों के स्थान पर "केन्द्रीय सरकार एतद्वारा एशियाटिक सोसायटी अधिनियम, 1984 (1984 का 5) के अन्तर्गत बनाए गए तथा 3 नवम्बर, 1987 के जी.एस.आर. 889(ई) में भारत के राजपत्र के भाग II खण्ड 3 उप-खण्ड (i) (असाधारण) में प्रकाशित किए गए नियमों के लागू होने की तारीख 3 नवम्बर, 1987 निर्धारित करती है।"

[मं. एफ. 8-13/87-सी.एच.-डेस्क]

आर०सी० त्रिपाठी, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT

(Department of Culture)

New Delhi, the 13th January, 1988

CORRIGENDUM

G.S.R. 25(E).—In the Notification of the Government of India, Ministry of Human Resource Development, published in the Gazette of India, Part II Section 3, Sub-section (i) (Extra-ordinary) of November 3, 1987 at G.S.R. 888(E)—at page 2, line 2-3,—for the words "the Central Government hereby appoints the 3rd November, 1987 as the date on which the aforesaid Act shall come into force" read "the Central Government hereby appoints the 3rd November, 1987 as the date on which the rules framed under the Asiatic Society Act, 1984 (5 of 1984) and published in the Gazette of India, Part II—Section 3—Sub-section (i) (Extra-ordinary) at G.S.R. 889(E) of November 3 1987 shall come into force".

[No. F. 8-13/87-CH. Desk]

R. C. TRIPATHY, Jt. Secy.